Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

भारतपोल एवं इंटरपोल

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में मंगलवार (7 दिसंबर) को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्रीय इन्वेंशन ब्यूरो (CBI) द्वारा विकसित "भारतपोल पोर्टल" का उद्घाटन किया।
- *** "भारतपोल" को अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय अपराधों के खिलाफ सहायता और वास्तविक समय की कार्यवाही के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) द्वारा विकसित किया गया है।
- "भारतपोल" का मुख्य उद्देश्य कानून जांच एजेंसियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुव्यवस्थित करना है जो केंद्रीय और राज्य एजेंसियों को "इंटरपोल" से आसानी से जुड़ने और उनकी जांच में तेजी लाने की अनुमति देगा।

❖ "भारतपोल क्या है और सीबीआई (CBI) ने इसे क्यों विकसित किया है ?

- *** भारत में नेशनल सेंटर ब्यूरो फॉर इंटरपोल (NCB–नई दिल्ली) के रूप में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) भारत के सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इंटरपोल के माध्यम से 195 देशों के कानून परिवर्तन एजेंसियों से जोड़ती है।
- वर्तमान में देश की सभी केंद्रीय एजेंसियां तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल पत्र, ईमेल और फैक्स के माध्यम से इंटरपोल संपर्क अधिकारियों (ILO) और उनसे संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करती है जिससे अक्सर भारतीय एजेंसियों को जांच में देरी का सामना करना पड़ता है।
- "भारतपोल" इंटरपोल (अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग) के साथ भारतीय जांच एजेंसियों के समन्वय को अधिक सहज बनाने का काम करेगी।
- भारतपोल केंद्रीय जांच एजेंसियों सहित सभी राज्यों की जांच एजेंसियों और पुलिस को 195 देशों के इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- इस पोर्टल को विकसित करने का निर्णय साइबर अपराध, वित्तीय अपराध, ऑनलाइन कट्टरपंथ, संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी सहित अंतरराष्ट्रीय अपराधों में वृद्धि के बीच किया गया था।
- उपरोक्त सभी जांचों के लिए वास्तविक समय में अंतरराष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता होती है।

❖ भारतपोल पोर्टल की प्रमुख विशेषताएं क्या है ?

- भारतपोल पोर्टल की प्रमुख विशेषताएं निम्न है :–

1. वास्तविक समय पर सूचना साझा करना

- भारतपोल पोर्टल NCB के रूप में सीबीआई (CBI) को भारत के सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ 195 देशों से आपराधिक खुफिया जानकारी और इनपुट को तेजी से साझा करने में सक्षम बनाता है।

2. सरलीकृत अनुरोध तंत्र

- यह पोर्टल फ्रंटलाइन पुलिस अधिकारियों को मानकीकृत टेंपलेट्स का उपयोग करके 195 इंटरपोल सदस्य देशों से तुरंत अंतरराष्ट्रीय सहायता का अनुरोध करने की अनुमति देता है।

3. एकीकृत मंच

- यह पोर्टल भारत के सभी कानून प्रवर्तन प्राधिकरणों, पुलिस अधीक्षकों (SP) और पुलिस आयुक्तों (CP) के साथ इंटरपोल (NCB –नई दिल्ली) के रूप में CBI को एकीकृत करता है।

4. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण

- यह पोर्टल प्रासंगिक दस्तावेजों, टेंपलेट्स और प्रशिक्षण संसाधनों तक पहुंच भी प्रदान करता है जिससे फ्रंटलाइन अधिकारियों को विदेश में जांच करने और इंटरपोल के अधिकारियों के साथ प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है।

5. इंटरपोल नोटिस की उपयोगिता को बढ़ावा

- यह पोर्टल रेड कॉर्नर नोटिस अनुरोधों और इंटरपोल के अन्य कोडित नोटिसों को आसानी से सक्षम बनाने सहित इससे वैश्विक स्तर पर अपराध, अपराधियों और अपराध से होने वाली आय पर प्रभावी ढंग से नजर रखी जा सकेगी।

6. सुव्यवस्थित संचार

- यह पोर्टल पुरानी संचार विधियों (पत्र, ईमेल, फैक्स) को तीव्र डिजिटल समाधानों से प्रतिस्थापित करता है जिससे सीबीआई (CBI), इंटरपोल संपर्क अधिकारियों (ILO) और यूनिट अधिकारियों (UO) के बीच अधिक कुशल आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा।

7. अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटना

- यह पोर्टल तेजी से अंतरराष्ट्रीय सहायता उपलब्ध कराकर साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटता है।

❖ भारतपोल के प्रमुख मॉड्यूल क्या है ?

- भारतपोल के पांच प्रमुख मॉड्यूल कनेक्ट, इंटरपोल नोटिस, संदर्भ, प्रसारण और संसाधन है।
- इन सभी मॉड्यूल के माध्यम से इंटरपोल के 195 सदस्य देशों से सहायता प्राप्त की जाएगी।

❖ इंटरपोल

- अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन जिसे आमतौर पर इंटरपोल के नाम से जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो दुनिया भर में पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है।
- इंटरपोल दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन है जिसका मुख्यालय ल्योन (फ्रांस) में स्थित है।
- *** इंटरपोल की स्थापना 7 सितंबर 1923 को की गई थी।

❖ इतिहास

- 20वीं सदी की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग को औपचारिक बनाने के लिए कई प्रयास हुए।
- इसके लिए सबसे पहला प्रयास 1914 में "मोनाको" (फ्रांस) में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस कांग्रेस" के रूप में हुआ जहां जिसमें लगभग दो दर्जन देशों के राजनयिकों और कानूनी अधिकारियों ने अपराधों की जांच, जांच तकनीकों को साझा करने और प्रत्यर्पण प्रक्रियाओं में अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर चर्चा की।
- हालांकि प्रथम विश्व युद्ध के कारण एक अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन का विचार सफल नहीं हो पाया।
- इसके बाद वर्ष 1923 में वियना में एक अन्य अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस कांग्रेस की नई पहल की गई जिसकी अध्यक्षता तत्कालीन विनीज (वेनिस) पुलिस विभाग के अध्यक्ष जोहान्स शॉबर ने किया।
- इस बैठक में दुनिया भर के 22 देशों के पुलिस अधिकारियों ने एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस आयोग (ICPC) की स्थापना करने पर सहमति व्यक्त की।

- वर्तमान में इंटरपोल के नाम से जाना जाने वाला अंतरराष्ट्रीय आपराधिक पुलिस आयोग (ICPC) के कुल 195 सदस्य देश है।
- वर्तमान में इंटरपोल के सात क्षेत्रीय ब्यूरो एवं 195 सदस्य देशों में एक राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो है।
- वर्ष 1956 में ICPC को इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन (इंटरपोल) का नाम दिया गया।
- *** भारतवर्ष 1949 में इंटरपोल का सदस्य बना।
- *** भारत वर्ष 1997 एवं 2022 में इंटरपोल की वार्षिक बैठक की मेजबानी कर चुका है।
- 1997 में भारत ने इंटरपोल की 65वीं वार्षिक बैठक एवं 2022 में 90वीं बैठक की मेजबानी की।
- वर्तमान में इंटरपोल के अध्यक्ष संयुक्त अरब अमीरात (UAE) अहमद नासिर अल रईसी है।

Result Mitra

❖ केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) :

- केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) भारत की घरेलू अपराध जांच एजेंसी है जो कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में काम करता है।
- केंद्रीय जांच ब्यूरो की स्थापना विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (SPE) के स्थान पर की गई।
- SPE की स्थापना वर्ष 1941 में औपनिवेशिक भारत में युद्ध और आपूर्ति विभाग के साथ लेनदेन में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की जांच के लिए की गई थी।

- वर्ष 1946 के दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम द्वारा इसे गृह विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया।
- *** केंद्र सरकार द्वारा 1 अप्रैल 1963 के एक संकल्प पत्र के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार की जांच करने के अलावा केंद्रीय वित्तीय कानूनों के उल्लंघन और संगठित गिरोहों और ठगों द्वारा किए गए गंभीर अपराधों की जांच करना था।
- डी पी कोहली CBI के संस्थापक निर्देशक थे, जो 1 अप्रैल 1963 से 31 मई 1968 तक इस पद पर कार्यरत रहे।
- *** CBI इंटरपोल के साथ संपर्क का काम करने के लिए भारत का आधिकारिक रूप से नामित एकल संपर्क बिंदु है।

Result Mitra

MCQ–1 : "भारतपोल पोर्टल" के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प को चुने–

कथन–1 : "भारतपोल पोर्टल" को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के द्वारा विकसित किया गया है।

कथन–2 : भारतपोल पोर्टल, केंद्रीय जांच एजेंसियों सहित सभी राज्यों की जांच एजेंसियों और पुलिस को 195 देशों के इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कथन–3 : "भारतपोल पोर्टल" का मुख्य उद्देश्य कानून जांच एजेंसियों के लिए अंतरराष्ट्रीय जांच को सुव्यवस्थित करना है।

कथन–4 : "भारतपोल पोर्टल" तेजी से अंतरराष्ट्रीय सहायता उपलब्ध कराकर साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटने में मदद करेगा।

a) चारों कथन सही है।
b) केवल कथन 1 और 4 सही है।
c) केवल कथन 1 और 4 सही है।
d) चारों कथन गलत है।

Ans.-(a)

Mains–1 : "भारतपोल पोर्टल" किस प्रकार भारतीय कानून जांच एजेंसियों को इंटरपोल की सहायता से अंतर्राष्ट्रीय अपराध से निपटने में मदद करेगा, समझावे।

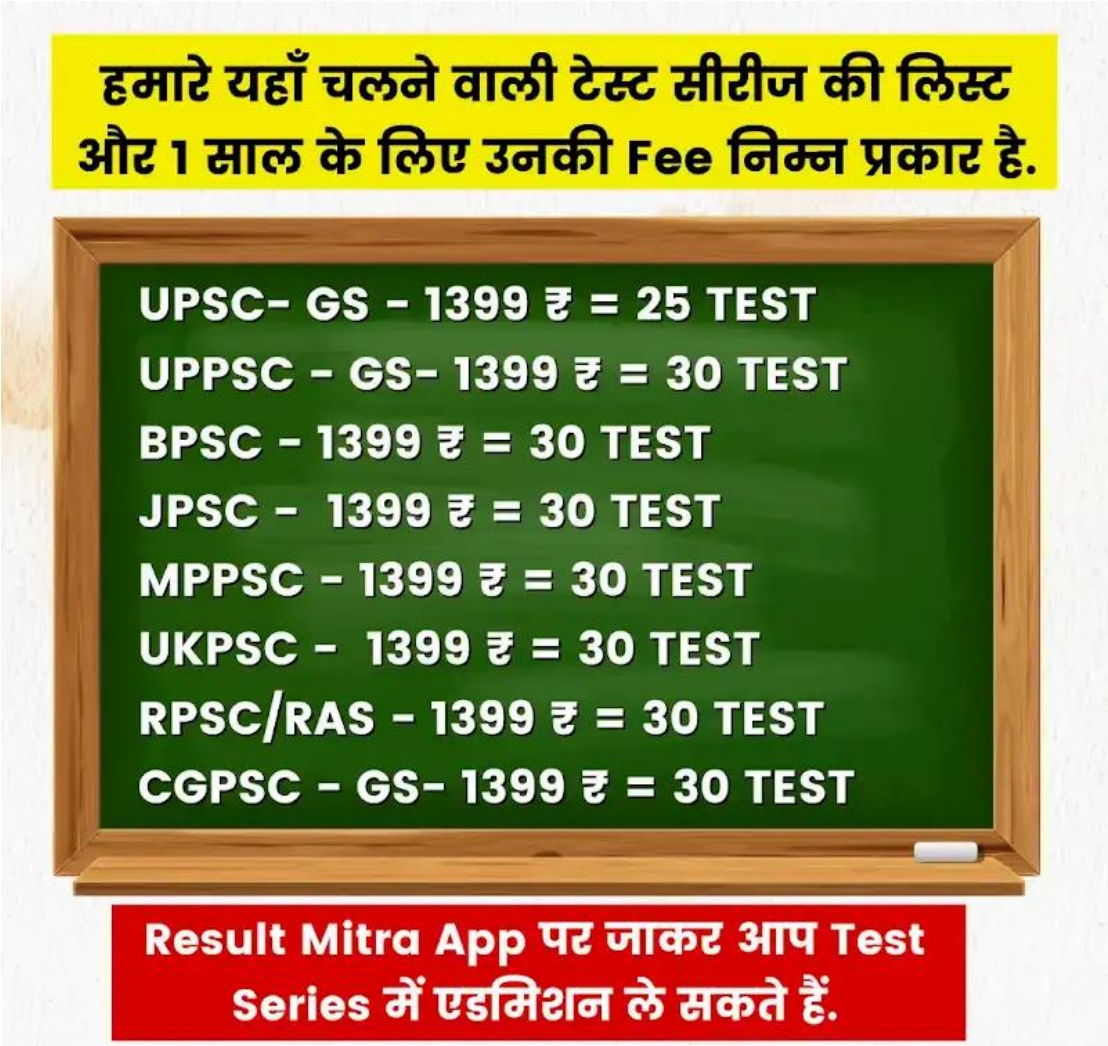
हमारे यहाँ चलने वाली टेस्ट सीरीज की लिस्ट
और 1 साल के लिए उनकी Fee निम्न प्रकार है.
UPSC- GS - 1399 ₹ = 25 TEST
UPPSC - GS- 1399 ₹ = 30 TEST
BPSC - 1399 ₹ = 30 TEST
JPSC - 1399 ₹ = 30 TEST
MPPSC - 1399 ₹ = 30 TEST
UKPSC - 1399 ₹ = 30 TEST
RPSC/RAS - 1399 ₹ = 30 TEST
CGPSC - GS- 1399 ₹ = 30 TEST
Result Mitra App पर जाकर आप Test
Series में एडमिशन ले सकते हैं.

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806